बिहार कौशल विकास मिशन के सहयोग से वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन पर डोमेन स्किलिंग प्रशिक्षण

प्रशिक्षण अवधि : 270 घंटे | **तिथि : 20 फरवरी, 2026 से**

मो० : 9430259387, 9236577591

वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन क्यों?

- मृदा की गुणवत्ता में सुधार।
- ग्रामीण एवं शहरी स्वच्छता में सहायक।
- अवांछित/अधिशेष फसल अवशेषों का उपयोग।
- जैविक कचरे का सरल एवं तीव्र अपघटन।
- उत्तम गुणवत्ता की जैविक खाद का उत्पादन।
- पर्यावरण-अनुकूल (इको-फ्रेंडली) पद्धति।
- कम्पोस्ट तैयार करने की सस्ती एवं त्वरित विधि।

किसानों को पंजीकरण क्यों कराना चाहिए?

- कचरे/अपशिष्ट का संग्रहण एवं उसका वर्गीकरण (चरित्रांकन) सीखने के लिए।
- वर्मी कम्पोस्टिंग हेतु अपशिष्ट की तैयारी की जानकारी प्राप्त करने के लिए।
- वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन की आधुनिक तकनीक सीखने के लिए।
- नमी एवं तापमान के उचित प्रबंधन का प्रशिक्षण पाने के लिए।
- कास्ट (वर्मीकास्ट) का संग्रहण, छनाई (सिविंग) एवं पैकेजिंग की जानकारी हेतु।
- वर्मी कम्पोस्ट की गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं को समझने के लिए।
- वर्मी कम्पोस्ट के प्रमाणन एवं विपणन की जानकारी प्राप्त करने हेतु।
- जैविक खेती में वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग को जानने के लिए।
- मृदा उर्वरता प्रबंधन में वर्मी कम्पोस्ट की भूमिका समझने के लिए।
- फसल प्रबंधन में वर्मी कम्पोस्ट के प्रभावी उपयोग के लिए।
- कीट प्रबंधन में वर्मी कम्पोस्ट की उपयोगिता जानने के लिए।
- समेकित पोषक तत्व प्रबंधन (INM) में वर्मी कम्पोस्ट की भूमिका समझने के लिए।
- आजीविका सुधार के एक प्रभावी साधन के रूप में वर्मी कम्पोस्ट को अपनाने हेतु।

पंजीकरण प्रथम आगमन–प्रथम वरीयता के आधार पर होगा।

पात्रता मानदंड: कोई भी इच्छुक व्यक्ति

Registration Link : https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfUNPx66XCWEWAOgp6UK07fq1QTQ3W2vUs2a92AFa8XcMK-Og/viewform?usp=dialog

आयोजक:
स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार
(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)